

## EVOLVING THE REGULATORY FRAMEWORK FOR GROUND-BASED BROADCASTING

### EVOLUTION OF GUIDELINES FOR TV BROADCASTING

The Ministry of Information and Broadcasting (MIB) has periodically issued Guidelines for Uplinking and Downlinking of Satellite Television Channels, outlining terms and conditions for satellite-based TV broadcasting services. These guidelines mandate the use of satellite technology for uplinking and downlinking, implicitly restricting terrestrial communication mediums.

### EMERGENCE OF GROUND-BASED BROADCASTING

Technological advancements have enabled broadcasters to transmit television channels terrestrially to the headends of Distribution Platform Operators (DPOs), bypassing the need for uplinking or downlinking via satellites. Like traditional satellite-based channels, these ground-based channels can be distributed to multiple DPO

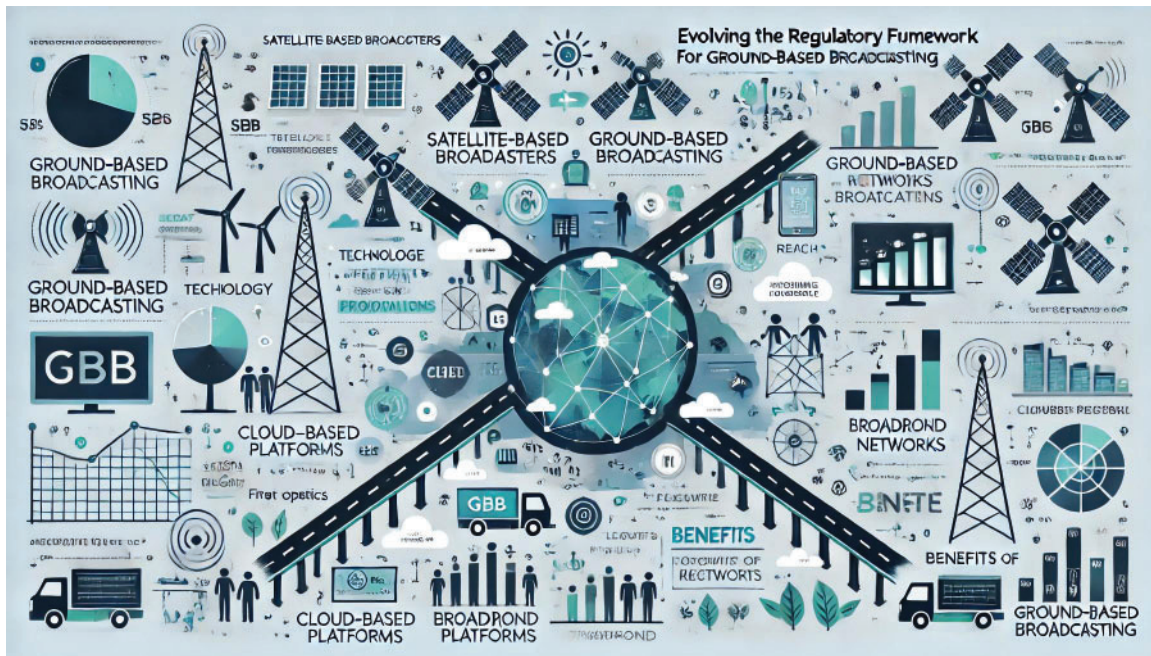
## ग्राउंड-आधारित प्रसारण के लिए विनियामक ढांचे का विकास

### टीवी प्रसारण के लिए दिशा-निर्देशों का विकास

सूचना और प्रसारण मंत्रालय (आईएंडबी) ने सैटेलाइट टीवी चैनलों की अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग के लिए समय-समय पर दिशा निर्देश जारी किये हैं जिसमें सैटेलाइट आधारित टीवी प्रसारण के लिए नियम और शर्तें बतायी गयी है। ये दिशानिर्देश अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग के लिए सैटेलाइट तकनीक के इस्तेमाल को अनिवार्य बनाते हैं, जो कि टेरिस्ट्रियल संचार माध्यमों को प्रतिबंधित करता है।

### ग्राउंड आधारित प्रसारण का उदय

तकनीकी प्रगति ने प्रसारकों को सैटेलाइट के माध्यम से अपलिंकिंग या डाउनलिंकिंग की आवश्यकता को दरकिनार करते हुए, वितरण प्लेटफॉर्म आपरेटर्स (डीपीओ) के हेडएंड पर टेलीविजन चैनल प्रसारित करने में सक्षम बनाया है। पारंपरिक सैटेलाइट आधारित चैनलों की तरह, इन ग्राउंड आधारित चैनलों को कई डीपीओ नेटवर्क में वितरित किया जा सकता है, जिससे वाणिज्यिक समझौतों





networks, allowing for broader dissemination under commercial agreements. However, a clear regulatory framework governing such Ground-Based Broadcasters (GBBs) is absent.

## DEFINING SATELLITE-BASED AND GROUND-BASED BROADCASTERS

For clarity:

- ◆ **Satellite-Based Broadcasters (SBBs):** Utilize satellite technology for content transmission.
- ◆ **Ground-Based Broadcasters (GBBs):** Employ terrestrial mediums such as broadband, fiber optics, or cloud-based platforms for content distribution.

## TECHNOLOGIES IN GROUND-BASED BROADCASTING

GBBs leverage various advanced technologies to enhance content delivery:

- ◆ **Cloud-based Platforms:** Facilitate flexible and scalable distribution over the internet.
- ◆ **Broadband Networks:** Enable high-speed transmission for high-quality video streams, including live broadcasts.

के तहत व्यापक प्रसारक की अनुमति मिलती है। हालांकि ऐसे ग्राउंड आधारित प्रसारकों (जीवीवी) को नियंत्रित करने वाला कोई स्पष्ट नियामक ढांचा मौजूद नहीं है।

## सैटेलाइट आधारित और ग्राउंड आधारित प्रसारकों को परिभाषित करना

स्पष्टता के लिए:

- ◆ **सैटेलाइट आधारित ब्रॉडकास्टर्स (एसबीबी):** समाग्री प्रसारण के लिए सैटेलाइट तकनीक का उपयोग करें।
- ◆ **ग्राउंड आधारित ब्रॉडकास्टर्स (जीबीबी):** सामाग्री वितरण के लिए ब्रॉडबैंड फाइबर, फाइबर ऑप्टिक्स या क्लाउड आधारित प्लेटफॉर्म जैसे टेरिस्ट्रियल माध्यमों का उपयोग करते हैं।

## ग्राउंड आधारित प्रसारण में तकनीकें

जीवीवी कंटेंट डिलिवरी को बढ़ाने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का लाभ उठाते हैं:

- ◆ **क्लाउड आधारित प्लेटफॉर्म :** इंटरनेट पर लचीले और स्केलेबल वितरण की सुविधा प्रदान करते हैं।
- ◆ **ब्रॉडबैंड नेटवर्क :** लाइव प्रसारण सहित उच्च गुणवत्ता वाले वीडियो स्ट्रीम के लिए हाई स्पीड ट्रांसमिशन सक्षम करें।



- ◆ **Fiber Optics:** Offer efficient and reliable content delivery to DPOs.

While these technologies enable GBBs to match or even surpass the capabilities of satellite broadcasting, their reach may vary. Some GBBs operate within limited regions, such as a district or state, while others achieve national-level coverage.

## NEED FOR A REGULATORY FRAMEWORK

To harness the benefits of evolving technologies, it is critical to establish a **comprehensive regulatory framework** for GBBs. A flexible policy allowing multiple communication technologies can reduce costs and foster innovation in broadcasting. Current restrictions on terrestrial communication mediums may hinder broadcasters from leveraging such advancements.

## DEFINITIONS AND SCOPE OF BROADCASTING

### EXISTING DEFINITIONS

Definitions of "Broadcaster" and "Broadcasting" under existing laws include:

- ◆ **Cable Television Networks (Regulation) Act, 1995:** Defines a broadcaster as any entity providing programming services, including authorized distribution agencies.
- ◆ **Prasar Bharati Act, 1990:** Broadly defines broadcasting as the dissemination of audio-visual

- ◆ **फाइबर ऑप्टिक्स :** डीपीओ को कुशल और विश्वनीय सामग्री वितरण प्रदान करते हैं।

जबकि ये प्रौद्योगिकियां जीवीवी को सैटेलाइट प्रसारण की क्षमताओं से मेल खाने या उससे भी आगे निकलने में सक्षम बनाती हैं, उनकी पहुंच अलग-अलग हो सकती है। कुछ जीवीवी सीमित क्षेत्रों, जैसे कि एक जिले या राज्य में काम करते हैं, जबकि अन्य राष्ट्रीयस्तर पर कवरेज प्राप्त करते हैं।

## विनियमक ढांचे की आवश्यकता

विकसित हो रही प्रौद्योगिकियों के लाभों के दोहन करने के लिए, जीवीवी के लिए एक व्यापक विनियामक ढांचा स्थापित करना महत्वपूर्ण है। कई संचार तकनीकियों की अनुमति देने वाली एक लचीली नीति लागत को कम कर सकती है और प्रसारण में नयी खोजों को बढ़ावा दे सकती है। टेरिस्ट्रियल संचार माध्यमों पर वर्तमान प्रतिबंध प्रसारकों को ऐसी प्रगति का लाभ उठाने से रोक सकते हैं।

## प्रसारण की परिभाषायें और दायरा

### मौजूदा परिभाषायें

मौजूदा कानूनों के तहत 'प्रसारक' और 'प्रसारण' की परिभाषायें इस प्रकार हैं:

- ◆ **केबल टेलीविजन नेटवर्क (विनियमन), अधिनियम, 1995 :** प्रसारणकर्ता को अधिकृत वितरण एजेंसियों सहित प्रोग्रामिंग सेवायें प्रदान करने वाली किसी भी इकाई के रूप में परिभाषित करता है।
- ◆ **प्रसार भारती अधिनियम, 1990:** प्रसारण के व्यापक रूप से



# BROADCAST TECHNOLOGY

content through electromagnetic waves or cables for public consumption.

- ◆ **Draft Broadcasting Services (Regulation) Bill, 2023:** Proposes that broadcasters include operators of terrestrial, satellite, or OTT networks, emphasizing inclusivity across technologies.

## BROADENING THE DEFINITION

Existing definitions often imply reliance on satellite technology. However, ground-based broadcasting necessitates updating these definitions to encompass all mediums, ensuring technological neutrality.

## DISTINCTION BETWEEN GBBS AND PLATFORM SERVICES

### KEY DIFFERENCES

Platform services (PS) offered by DPOs differ from GBBS:

- ◆ PS channels are exclusive to a DPO's network, with content rights and revenue belonging to the DPO.
- ◆ GBBS, like SBBs, own content rights and distribute to multiple DPOs, allowing broader dissemination.

## STAKEHOLDER PERSPECTIVES ON GBBS

Stakeholders have suggested various definitions for GBBS:

1. GBBS are registered entities delivering programming services to DPOs via terrestrial means, excluding

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव या केबलों के माध्यम से सार्वजनिक उपभोग के लिए दृश्य-श्रव्य सामग्री के प्रसार के रूप में परिभाषित करता है।

- ◆ **ड्रॉफ्ट ब्रॉडकास्टिंग सर्विस (विनियम) विधेयक, 2023:** प्रस्ताव करता है कि प्रसारकों में टेरिस्ट्रियल, सैटेलाइट या ओटीटी नेटवर्क के संचालक शामिल हों, जो प्रौद्योगिकियों में समावेशिता पर जोर देता है।

## परिभाषा को व्यापक बनाना

मौजूदा परिभाषायें अक्सर सैटेलाइट प्रौद्योगिकी पर निर्भरता का संकेत देती हैं। हालांकि, ग्राउंड आधारित प्रसारण के लिए इन परिभाषाओं को सभी माध्यमों को शामिल करने के लिए अपडेट करना आवश्यक है, जिससे तकनीकी तटस्थता सुनिश्चित हो सके।

## जीबीबी और प्लेटफॉर्म सेवाओं के बीच अंतर

### मुख्य भिन्नतायें

डीपीओ द्वारा दी जाने वाली प्लेटफॉर्म सेवायें (पीएस) जीबीबी से भिन्न होती हैं:

- ◆ पीएस चैनल डीपीओ के नेटवर्क के लिए अनन्य होते हैं, जिसमें सामग्री अधिकार और राजस्व डीपीओ के लिए अनन्य होते हैं।
- ◆ एसबीबी की तरह जीबीबी भी सामग्री अधिकार रखते हैं और कई डीपीओ को वितरित करते हैं, जिससे व्यापक प्रसार संभव होता है।

## जीबीबी पर हितधारकों के दृष्टिकोण

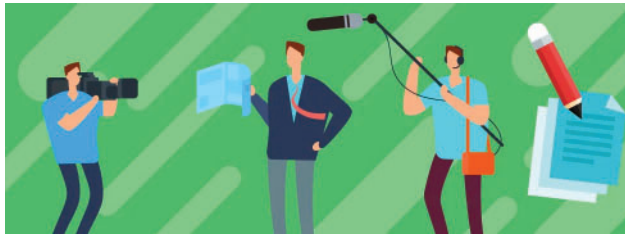
हितधारकों ने जीबीबी के लिए विभिन्न तरह की परिभाषायें सुझाई हैं:

1. जीबीबी पंजीकृत संस्थायें हैं जो सैटेलाइट चैनलों या प्लेटफॉर्म सेवाओं को छोड़कर टेरिस्ट्रियल माध्यमों से डीपीओ को प्रोग्रामिंग



satellite channels or platform services.

2. GBBs should adhere to the same regulations as satellite broadcasters under MIB guidelines.
3. GBBs are distinct from PS channels and operate as independent broadcasters with content ownership and revenue rights.



## SERVICE AREA AND OPERATIONAL SCOPE

### NATIONAL AND STATE-LEVEL OPERATIONS

GBBs could operate at:

- ◆ **National Level:** Offering services across multiple states.
- ◆ **State Level:** Targeting regional audiences with potential for multi-state expansion under separate authorizations.

### ADVANTAGES OF MULTI-STATE OPERATIONS

Allowing state-level GBBs to operate in multiple regions would:

- ◆ Broaden audience reach.
- ◆ Cater to diverse linguistic and cultural preferences.
- ◆ Enhance regional and national content diversity.

## REGULATORY RECOMMENDATIONS

### KEY CONSIDERATIONS

1. **Comprehensive Definitions:** Clearly define broadcasters, satellite-based and ground-based broadcasting, and their respective scopes.
2. **Technological Neutrality:** Expand the definition of broadcasters to accommodate all communication mediums.
3. **Flexibility in Operations:** Permit GBBs to operate across various service areas with appropriate authorizations.
4. **Policy Alignment:** Harmonize regulations for SBBs and GBBs while considering their unique operational characteristics.

This regulatory framework aims to foster innovation, reduce costs, and support the evolution of India's broadcasting sector by embracing modern technologies such as cloud, fiber, and broadband networks. ■

सेवायें प्रदान करती है।

2. जीवीवी को एमआईवी दिशानिर्देश के तहत सैटेलाइट प्रसारकों के समान नियमों का पालन करना चाहिए।

3. जीवीवी पीएस चैनलों से अलग हैं और सामग्री स्वामित्व और राजस्व अधिकारों के साथ स्वतंत्र प्रसारकों के रूप में काम करते हैं।

### सेवा क्षेत्र और परिचालन क्षेत्र

#### राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय परिचालन

जीवीवी निम्न स्थानों पर काम कर सकते हैं

- ◆ **राष्ट्रीयस्तरः** इसके तहत यह कई राज्यों में सेवायें प्रदान करने में सक्षम है।
- ◆ **राज्य स्तरः** अलग-अलग प्राधिकरणों के तहत बहु-राज्य विस्तार की क्षमता के साथ क्षेत्रीय दर्शकों को लक्षित करना।

#### बहु-राज्य संचालन के लाभ

राज्यस्तरीय जीवीवी को कई क्षेत्रों में संचालित करने की अनुमति देने से:

- ◆ दर्शकों की पहुंच को व्यापक बनायें।
- ◆ विविध भाषायी और सांस्कृतिक प्राथमिकताओं को पूरा करें।
- ◆ क्षेत्रीय और राष्ट्रीय सामग्री विविधता को बढ़ायें।

### विनियामक अनुसंधान

#### मुख्य विचार

1. **व्यापक परिभाषायें:** प्रसारकों, सैटेलाइट आधारित और भू-आधारित प्रसारण और उनके संबंधित क्षेत्रों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करें।
2. **तकनीकी तटस्थता:** सभी संचार माध्यमों को समायोजित करने के लिए प्रसारकों की परिभाषा का विस्तार करें।
3. **परिचालन में लचीलापन:** जीवीवी को उचित प्राधिकरण के साथ विभिन्न सेवा क्षेत्रों में परिचालन की अनुमति देना।
4. **नीति सरेखण:** एसवीवी और जीवीवी के लिए उनके अद्वितीय परिचालन विशेषताओं पर विचार करते हुए विनियमों को सुसंगत बनाना।

इस विनियामक ढांचे का उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, लागत कम करना और क्लाउड, फाइबर और ब्रॉडबैंड नेटवर्क जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाकर भारत के प्रसारण क्षेत्र के विकास का समर्थन करना है। ■